आप के नाम
प्रभु यीशु का पत्र . . .

क्रूस की क्रांती

शिष्य थॉमसन

आज धर्म के नाम पर हिंसा हो रही है। आगज़नी, हत्या बलात्कार और सर्वनाश हो रहा है। हमनें प्रार्थना में प्रभु से कहा, कि हम निर्बल और असमर्थ हैं। तो क्या करें?

तब पिता परमेश्वर ने प्रेरित किया कि प्रभु यीशु के वचन घर-घर तक पहुँचाये जायें।

● आज हमारे पास सवाल ये हैं। ● क्या है, शक्ति शत्रुओं से प्रेम करने की? ● क्या है, शक्ति क्षमा करने की? ● क्या है, शक्ति दु:ख सहने की? ● क्या है, शक्ति जान देने तक धीरज रखने की?

पाप और मृत्यु पर विजय पाने वाले प्रभु यीशु आपको भी बल देंगे। निराशा में आशा देंगे। अंधेरे में ज्योति बनेंगे। अपना जीवन देंगे।

याद रखें, यदि धर्म में प्रेम नहीं है तो वह अधर्म है। प्रभु यीशु ने कहा, स्वर्ग और पृथ्वी के सारे अधिकार मेरे पास हैं, इसलिये तुम सारे जगत में जाकर, सारी सृष्टि के लोगों को शुभ समाचार प्रचार करो। और देखो, मैं जगत के अंत तक सदैव तुम्हारे संग हूँ।

यह पत्र आपके लिये है। पढ़िये!

मेरे अति प्रिय भाई और बहन

मैं यीशु शुभ समाचार लाता हूँ तुम्हें शांति मिले,

प्रभु का आत्मा मुझ पर है। इसलिये कि उसने कंगालों को शुभ समाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है। और मुझे इसलिये भेजा है, कि बंधुओं को छुटकारे का, और अंधों को दृष्टि पाने का, शुभ समाचार प्रचार करूँ, और कुचले हुओं को छुड़ाऊँ।

तुम सताव में धीरज रखो

धन्य हो तुम जो शोक करते हो क्योंकि तुम शाँति पाओगे। धन्य हो तुम जो दयावंत हो, क्योंकि तुम पर दया की जायेगी। धन्य हो तुम जो मेल करवाने वाले हो, क्योंकि तुम परमेश्वर की संतान कहलाओगे।

धन्य हो तुम, जो धर्म के कारण सताये जाते हो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य तुम्हारा है। और धन्य हो तुम जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निंदा करें, और सतायें, और झूठ बोल-बोल कर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें। तब आनंदित और खुश होना क्योंकि तुम्हारे लिये, स्वर्ग में बड़ा फल है। तुम पृथ्वी के नमक हो, और साथ ही तुम जगत की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है, वह छिप नहीं सकता।

तुम शत्रुओं से प्रेम करो

हाँ, धर्मगुरुओं ने तुम से कहा था, कि हत्या नहीं करना, पर मैं तुम से कहता हूँ, तुम अपने मन में क्रोध भी नहीं करना।

तुम्हें पूर्वकाल में सिखाया गया था कि आँख के बदले आँख, और दाँत के बदले दाँत, परन्तु मेरी आज्ञा तुम्हारे लिये यह है, कि बुरे का सामना नहीं करना। परन्तु जो कोई तुम्हारे एक गाल पर थप्पड़ मारे, उसकी ओर दूसरा भी फेर देना।

पूर्वकाल में धर्मगुरुओं ने तुम्हें सिखाया था कि अपने पड़ोसी से प्रेम रखना, और अपने शत्रुओं से बैर, परन्तु मैं तुम से कहता हूँ कि अपने शत्रुओं से प्रेम रखो, और अपने सतानेवालों के लिये प्रार्थना करो। और यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारे स्वर्गीय पिता परमेश्वर भी तुम्हें क्षमा करेंगे।

तुम दोष मत लगाओ, ताकि तुम पर भी दोष नहीं लगाया जाये, और जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जायेगा।

और जो कुछ तुम चाहते हो, कि मनुष्य तुम्हारे साथ करें, तुम भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करो। कोई अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता है और न ही बुरा पेड़, अच्छा फल ला सकता है।

और तुम्हारी प्रार्थना भी इस तरह से हो, पिता परमेश्वर आज की रोटी आप हमें दें। और जिस प्रकार हमने अपने अपराधियों को क्षमा किया है। वैसे ही आप भी हमारे अपराधों को क्षमा करें। हमें परीक्षा में न पड़ने दें, परन्तु अधर्म से बचायें।

तुम प्राण देने तक धीरज रखो

देखो, तुम अपने प्राण के लिये यह चिंता नहीं करना कि हम क्या खायेंगे, और क्या पीयेंगे, न ही अपने शरीर के लिये कि क्या पहनेंगे। क्या प्राण भोजन से, और शरीर वस्त्र से बड़कर नहीं है?

तुम में कौन है, जो चिंता करके अपनी अवस्था में एक घड़ी भी बड़ा सकता है।

माँगो तो तुम्हे दिया जायेगा, ढूँढो तो तुम पाओगे, खटखटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जायेगा।

जाओ, प्रचार करो, कि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। बीमारों को स्वस्थ करो, कोढ़ियों को शुद्ध करो, और भूतप्रेतों से लोगों को छुटकारा दो।

मैं तुम्हें भेड़ों की तरह भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ। वे तुम्हें महा-सभाओं में सौपेंगे, और अपनी पंचायतों में कोड़े मारेंगे। भाई, भाई को, और पिता पुत्र को हत्या के लिये सौपेंगे। और बच्चे, माता पिता और वुजुर्गों के विरोध में उठकर, उन्हें मरवा डालेंगें।

यदि संसार तुम से बैर रखता है, तो तुम जानते हो, कि उसने तुम से पहिले मुझ से भी बैर रखा। यदि तुम संसार के होते, तो संसार अपनों से प्रेम रखता, मैंने तुम्हें संसार में से चुन लिया है, इसलिये संसार तुम से बैर रखता है।

यह न सोचो की मैं पृथ्वी पर मेल मिलाप कराने आया हूँ। मेरे आने से अलगाव आया है, और तलवार चली है।

मेरे नाम के कारण सब लोग तुमसे बैर करेंगे। परन्तु जो अंत तक धीरज रखेगा, उसी का उद्धार होगा। जो शरीर की हत्या करते हैं, लेकिन जिन्हें आत्मा नष्ट करने का अधिकार नहीं है, उन से मत डरना। परन्तु परमेश्वर से डरो, जो शरीर और आत्मा दोनों को नरक में नष्ट कर सकता है।

और जो कोई मनुष्य के सामने मुझे मान लेगा, उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने मान लूँगा।

मनुष्य के शत्रु उस के घर ही के लोग होंगे। जो माता या पिता को मुझसे अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं है, और जो बेटा या बेटी को मुझसे अधिक प्रिय जानता है, वह मेरे योग्य नहीं है।

और जो अपना क्रूस उठाकर प्रतिदिन मेरे पीछे नहीं चले वह मेरे योग्य नहीं है। जो अपने प्राण बचाता है वह उसे खोएगा, और जो मेरे कारण अपना प्राण खोता है वह उसे पायेगा।

यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपना प्राण खो दे, तो उसे क्या लाभ होगा।

आओ मैं तुम्हें विश्राम दूँगा

हे परिश्रम करने वालो, और बोझ से दबे हुए लोगो मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।

मैंने ये बातें तुम से इसलिये कही हैं, कि तुम्हें मुझ में शाँति मिले, संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैंने जगत को जीत लिया है।

वह समय आता है कि जो कोई तुम्हें मार डालेगा, वह समझेगा कि वह परमेश्वर की सेवा करता है। ये इस कारण कि उन्होंने न तो पिता को जाना है, और न ही मुझे जानते हैं।

तुम्हारा मन बेचैन न हो, तुम परमेश्वर पर विश्वास करते हो, मुझ पर भी विश्वास रखो।

मैं तुम्हें शाँति दिये जाता हूँ, अपनी शाँति तुम्हें देता हूँ, जैसा संसार देता है, वैसी मैं तुम्हें नहीं देता, तुम्हारा मन न घबराये और न डरे।

मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूँगा। मैं तुम्हारे पास आ रहा हूँ। और, थोड़ी सी देर रह गई है। इसलिये कि मैं जीवित हूँ, तुम भी जीवित रहोगे।

तुम्हारा मुक्तिदाता
मृत्युंजय यीशु

नये जन्म की प्रार्थना,क्या आप करेंगे?

क्रूस पर पाप मुक्ति के लिए पवित्र खून बहाने वाले यीशु, आप मुझे क्षमा करिये। आप अपनी पवित्र आत्मा दीजिये, और नया जीवन दान करिये। आपके वचन पर मेरा पूर्ण विश्वास है। आमीन।

Bible Ref. From:
Mathew : 5,6,7,8; Luke : 4,6,10; John : 14,15,16,17

SHISHYASHRAM
[Registered under Indian Trust Act, 1882 Reg.no-2401]
305 D/A Sheeshmahal, Shalimar Bagh, New Delhi-88 *e-mail:*jawabjawab@yahoo.com